SONAM BALA
(DEPT. OF GEOGRAPHY)
A.N.D. COLLEGE, SHAHPUR PATORY, SAMASTIPUR
28th MAY 2020
THURSDAY

FOR B.A. - II (Hons)
PAPER - 3, GEOGRAPHY OF INDIA & BIHAR

LECTURE - 56

UNIT - 3 IRON & STEEL INDUSTRY IN INDIA — (4)
भारत में लौह एवं इस्पात उद्योग — (4)

बोकारो इस्पात संयंत्र → यह संयंत्र बोकारो में 1964 में रूस की सहायता से लगाया गया। यह संयंत्र परिवहन लागत एवं न्यूनीकरण के सिद्धांत पर स्थापित हुआ है। इसके अनुसार बोकारो और राउरकेला संयुक्त रूप से राउरकेला से लौह-अयस्क प्राप्त करते हैं और लौटते वक्त मालगाड़ी के डिब्बे राउरकेला के लिए कोयला ले जाते हैं। जल और जल विद्युत शक्ति की आपूर्ति दामोदर घाटी कार्पोरेशन द्वारा की जाती है। अन्य कच्चे माल बोकारो को लगभग 350 km की परिधि से ही प्राप्त हो जाते हैं।

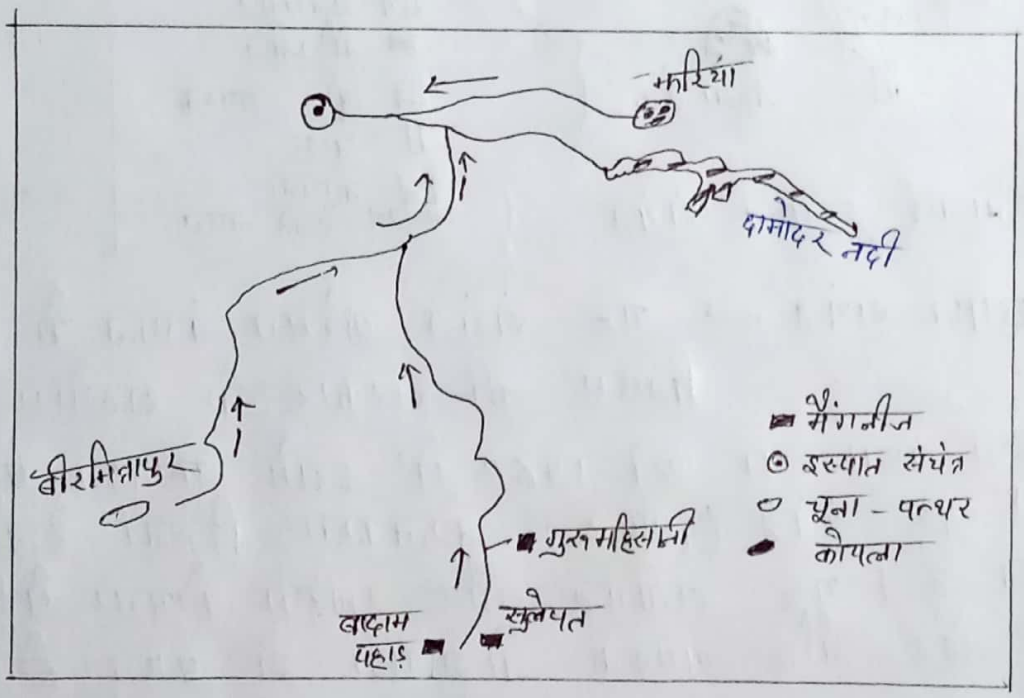

अन्य इस्पात संयंत्र → चतुर्थ योजना के दौरान स्थापित तीन नए इस्पात संयंत्र (सलेम, विजयनगर, विशाखापट्टनम) कच्चे माल के स्त्रोतों से दूर हैं। विजाग इस्पात संयंत्र (विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश) पहला पत्तन आधारित

Scanned by CamScanner

संयंत्र है। यह पत्तन लाभप्रद स्थिति में है, इसकी शुरुआत 1992 में हुई थी। विजयनगर इस्पात संयंत्र, हासपेटे (कर्नाटक) में विकसित किया गया। इसमें स्वदेशी तकनीकों का उपयोग हो रहा है। यह आस-पास से ही प्राप्त होने वाले चूना-पत्थर एवं लौह-अयस्क का प्रयोग करता है। सलेम (तमिलनाडु) इस्पात संयंत्र 1982 में शुरू हुआ था।

इन मुख्य इस्पात संयंत्रों के अलावा भी देश के विभिन्न भागों में 206 से अधिक इकाईयाँ स्थापित हैं। इनमें से अधिकतर इकाईयाँ अपने मुख्य कच्चे माल के रूप में रद्दी लोहे का उपयोग करती हैं एवं उसे विद्युत भट्टियों में भी प्रयुक्त करती हैं।

वर्ष	तैयार इस्पात का उत्पादन (मिलियन टन में)
2013-14	87.67
2014-15	92.16
2015-16	91
2016-17	101.3
2017-18	86.6

स्त्रोत — इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार

Scanned by CamScanner

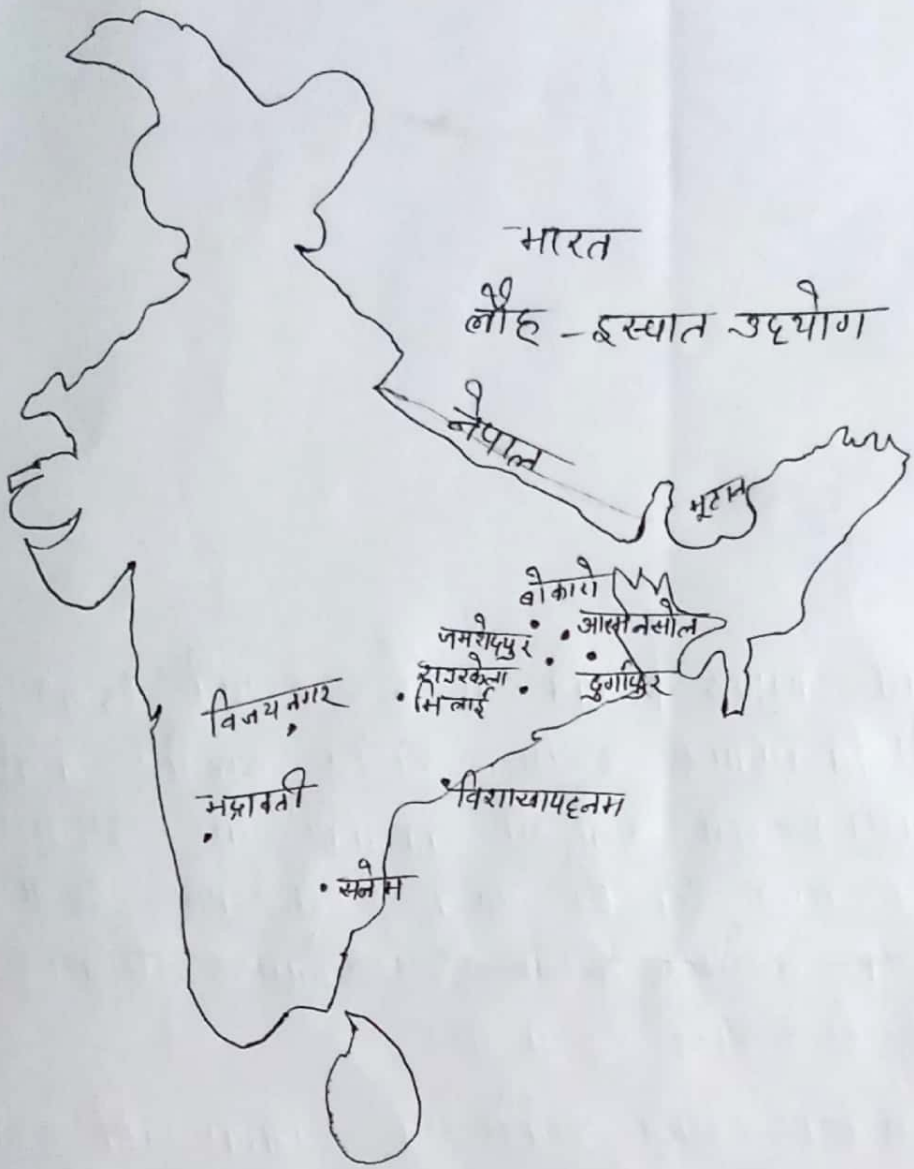

Scanned by CamScanner